- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

02 विशेष राज्य का दर्जा देने से विकास को मिलेगी रफ्तार: विजय चौधरी

04 महोत्सव के अंतिम दिन इण्डियन आइडल फेम शीर्षा रक्षित के गाने पर झूमें लोग

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, शुक्रवार, 01 दिसम्बर 2023 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रूपए ● वर्ष: 04, अंक: 291

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के साक्षी बनेंगे 14 देशों के कलाकार

रामलीला का 17 से 22 जनवरी तक होगा मंचन

बीएनएम@आयोध्या

श्रीराम जन्मभूमि पर रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर 22 जनवरी 2024 को रामलीला कमेटी 'अयोध्या की रामलीला' ने रामलीला मंचन की विशेष तैयारी की है। 17 से 22 जनवरी तक होने वाले इस आयोजन में 14 से अधिक देशों के विदेशी कलाकार शिरकत करेंगे। ऐसा पहली बार हो रहा है कि किसी भी रामलीला में इतनी बड़ी संख्या में विदेशी कलाकार शामिल होंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और विदेशी मेहमानों की मौजूदगी में 22 जनवरी को श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इसे समारोह पूर्वक मनाये जाने की तैयारी है। 'अयोध्या की रामलीला' के अध्यक्ष सुभाष मलिक के मुताबिक प्राण प्रतिष्ठा समारोह को और खास बनाने के लिए ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, रूस, मलेशिया, अमेरिका, इजरायल, अफगानिस्तान, जापान, चीन, जर्मनी, थाईलैंड, बांग्लादेश, पाकिस्तान और इंडोनेशिया जैसे देशों के कलाकार अयोध्या आने वाले हैं। इन विदेशी कलाकारों के ठहरने का इंतजाम लखनऊ में रहेगा। उल्लेखनीय है कि अयोध्या की रामलीला विश्व की सबसे बड़ी रामलीला है। इसको कोरोना काल में शुरू किया गया था। वर्ष 2020 से ही श्रीराम जन्मभूमि में इनके द्वारा हर वर्ष रामलीला का मंचन किया जा रहा है।

250 करोड़ रुपये के मनी लॉंड्रिंग मामले में छह स्थानों पर ईडी की छापेमारी

बीएनएम@श्रीनगर

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर में 250 करोड़ रुपये के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में छह स्थानों पर तलाशी ली है। फर्जी रिवर झेलम कोऑपरेटिव हाउसिंग बिल्डिंग सोसाइटी के नाम पर हुई धोखाधड़ी मामले में जम्मू-कश्मीर राज्य सहकारी बैंक लिमिटेड के पूर्व अध्यक्ष के ठिकानों पर भी छापेमारी की गई है।

इसी मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने फर्जी हाउसिंग सोसायटी के अध्यक्ष हिलाल-ए-मीर, जे-के स्टेट को-ऑपरेटिव बैंक लिमिटेड के तत्कालीन अध्यक्ष मोहम्मद शफी डार और अन्य के खिलाफ अगस्त, 2020 में भारतीय दंड संहिता और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की प्रासंगिक धाराओं के तहत पहले ही आरोप पत्र दायर कर दिया था। एसीबी की जांच के अनुसार मीर ने सहकारी समितियों के प्रशासन विभाग के सचिव, सहकारी समितियों को एक आवेदन दिया था, जहां उन्होंने जे-के सहकारी बैंक लिमिटेड को 300 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता देने के लिए निर्देश देने की मांग की थी।

जांच से पता चला कि रिवर झेलम कोऑपरेटिव हाउस बिल्डिंग सोसायटी को रजिस्ट्रार सहकारी सोसायटी, जम्मू और कश्मीर के साथ पंजीकृत भी नहीं किया गया है और मीर ने डार और अन्य के साथ मिलकर सोसायटी के नाम पर एक फर्जी और काल्पनिक पंजीकरण प्रमाण पत्र तैयार किया था और ऋण की मंजूरी का प्रबंधन किया।

ऋण राशि भूमि स्वामियों के खातों में वितरित कर दी गई, लेकिन भूमि बैंक के पास बंधक नहीं रखी गई है। इसके अलावा एसीबी की जांच में 223 करोड़ रुपये की हेराफेरी की गई धनराशि का पता चला है। ब्यूरो ने 187 करोड़ रुपये की राशि जब्त की है। इसी सिलसिले में गुरुवार को श्रीनगर में ईडी ने छापे मारे।

सूरत: केमिकल कंपनी में आग लगने के बाद लापता 7 श्रमिकों के शव मिले

एथर इंडस्ट्रीज केमिकल कंपनी में बुधवार तड़के धमाके के बाद लगी थी भीषण आग

घटना में 27 झुलसे थे, 7 श्रमिक थे लापता, 8 अभी जीवन-मौत के बीच कर रहे संघर्ष

बीएनएम@सूरत

सूरत के सचिन जीआईडीसी की केमिकल कंपनी एथर इंस्ट्रीज लिमिटेड में बुधवार तड़के लगी भीषण आग के बाद से लापता 7 श्रमिकों के शव गुरुवार सुबह बरामद हुए। शवों को पोस्टमार्टम के लिए सिविल हॉस्पिटल ले जाया गया है। दुर्घटना में 27 श्रमिक झुलस गए थे। इनमें 8 श्रमिक 70 से शत-प्रतिशत झुलसे हैं, ये सभी हॉस्पिटल में जीवन-मौत से संघर्ष कर रहे हैं। सूरत पुलिस के उपायुक्त राजेश परमार अनुसार कंपनी में काम करने वाले 7 कर्मचारियों का पता नहीं चल रहा था। उनके परिजनों ने उनके गुम होने की जानकारी दी थी। आग बुझने के बाद खोजबीन के बाद पहले 6 और बाद में 1 कर्मचारी का शव बरामद हुआ। मृतक कर्मचारियों में दिव्येश कुमार पटेल, संतोष विश्वकर्मा, सनत कुमार मिश्रा, धर्मेन्द्र कुमार, गणेश प्रसाद, सुनील कुमार और अभिषेक सिंह के नाम शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार सचिन जीआईडीसी में स्थित केमिकल कंपनी एथर इंडस्ट्रीज में बुधवार रात 2 बजे किसी कारण से स्टोरेज टैंकर में धमाके के साथ आग लग गई।

प्रधानमंत्री ने 51 हजार से अधिक युवाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किये

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से नवनियुक्त कर्मियों को 51,000 से अधिक नियुक्ति पत्र वितरित किये।

इस मौके पर प्रधानमंत्री ने कहा कि रोजगार मेला युवाओं के लिए 'विकसित भारत' का निर्माता बनने का मार्ग प्रशस्त करता है। नवनियुक्त युवाओं को भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि ये नियुक्ति पत्र आपके परिश्रम और प्रतिभा का नतीजा हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न सरकारी विभागों में नियुक्ति पाने वालों की प्राथमिकता देशवासियों के जीवन को सुगम बनाना होना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि यह रोजगार मेला देश भर के 37 स्थानों पर आयोजित किया गया। देश भर से चुने गए नए कर्मचारी सरकार के राजस्व विभाग, गृह मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग, वित्तीय सेवाएं विभाग, रक्षा मंत्रालय, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय तथा श्रम और रोजगार मंत्रालय सहित विभिन्न मंत्रालयों व विभागों में योगदान करेंगे।

नवनियुक्त कर्मियों को आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर एक ऑनलाइन मॉड्यूल कर्मयोगी प्रारंभ के माध्यम से स्वयं को प्रशिक्षित करने का अवसर भी मिलेगा। आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर 'कहीं भी किसी भी उपकरण पर' सीखने के प्रारूप में 800 से अधिक ई-लर्निंग पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए गए हैं।

तेलंगाना विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण समाप्त, 63.94 प्रतिशत मतदान

हैदराबाद। तेलंगाना में विधानसभा चुनाव के लिए मतदान का समय समाप्त हो गया है। छिटपुट घटनाओं को छोड़कर माहौल शांतिपूर्ण रहा। शाम 5:00 बजे तक 63.94 प्रतिशत मतदान होने की खबर है।

माओवादियों से प्रभावित विधानसभा क्षेत्रों में मतदान शाम चार बजे समाप्त हो गया। बाकी 106 सीटों पर सुबह 7 बजे से शाम 5 बजे तक मतदान जारी रहा। पांच बजे तक कतार में लगे लोगों को मतदान करने दिया गया। कई स्थानों पर मतदाता मतदान केंद्रों के सामने कतार में खड़े हैं। आज शाम पांच बजे तक राज्यभर में 63.94 प्रतिशत मतदान होने की आधिकारिक पुष्टि हुई है।

यात्रा 1 दिसंबर को सीओपी-28 के विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे मोदी

जलवायु कार्रवाई पर भारत खरा: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दुबई की अपनी यात्रा से पहले कहा कि जब जलवायु कार्रवाई की बात आती है तो भारत उस पर खरा उतरा है। सभ्यतागत लोकाचार को ध्यान में रखते हुए भारत ने हमेशा सामाजिक, आर्थिक विकास के साथ-साथ जलवायु कार्रवाई पर भी जोर दिया है।

प्रधानमंत्री ने एक बयान में कहा कि संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति और अबू धाबी के शासक, मेरे भाई शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के निमंत्रण पर, मैं 1 दिसंबर को सीओपी-28 के विश्व जलवायु कार्रवाई शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए दुबई की

यात्रा कर रहा हूं। मुझे यह देखकर खुशी हो रही है कि यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम संयुक्त अरब अमीरात की अध्यक्षता में आयोजित किया जा रहा है, जो जलवायु कार्रवाई के क्षेत्र में भारत का एक महत्वपूर्ण भागीदार रहा है।

उन्होंने कहा कि हमारे सभ्यतागत लोकाचार को ध्यान में रखते हुए, भारत ने हमेशा सामाजिक और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाते हुए जलवायु कार्रवाई पर जोर दिया है। हमारी जी20 अध्यक्षता के दौरान, जलवायु हमारी प्राथमिकता में सबसे ऊपर थी। नई दिल्ली के नेताओं की घोषणा में जलवायु कार्रवाई और सतत विकास पर कई ठोस कदम शामिल हैं। मुझे उम्मीद है कि सीओपी-28 इन मुद्दों पर आम सहमति को आगे बढ़ाएगा।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सीओपी28 पेरिस समझौते के तहत हुई प्रगति की समीक्षा करने और जलवायु कार्रवाई पर भविष्य के पाठ्यक्रम के लिए एक रास्ता तैयार करने का अवसर भी प्रदान करेगा। भारत द्वारा आयोजित वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन में, ग्लोबल साउथ ने समानता, जलवायु न्याय और सामान्य लेकिन विभेदित जिम्मेदारियों के सिद्धांतों के आधार पर जलवायु कार्रवाई की आवश्यकता के साथ-साथ अनुकूलन पर अधिक ध्यान देने की बात कही। यह महत्वपूर्ण है कि विकासशील दुनिया के प्रयासों को पर्याप्त जलवायु वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के साथ समर्थन दिया जाए।

विशेष राज्य का दर्जा देने से विकास को मिलेगी रफ्तार: विजय चौधरी

राजगीर के स्टेट गेस्ट हाउस मैदान में राजगीर महोत्सव- 2023 का हुआ उद्घाटन

बीएनएम@पटना/नालंदा

नालंदा जिला अंतर्गत स्टेट गेस्ट हाउस मैदान में राजगीर महोत्सव- 2023 का दीप प्रज्वलित कर महोत्सव का शुभारंभ गुरुवार को किया गया। इससे पहले ग्राम श्री मेला का फीता काटकर उद्घाटन किया गया तथा विभिन्न स्टॉल का निरीक्षण किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए वित्त वाणिज्य-कर एवं संसदीय कार्य विभाग के मंत्री विजय कुमार चौधरी ने उन्हें नालंदा जिला का प्रभारी मंत्री बनाने के लिए मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताते हुए राजगीर एवं सभी जिला वासियों को इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं दीं।

उन्होंने कहा कि राजगीर महोत्सव का आयोजन 1986 से होता आ रहा है। मुख्यमंत्री की पहल से राजगीर महोत्सव के स्वरूप में लगातार गुणात्मक परिवर्तन हो रहा है। उन्होंने जिला प्रशासन द्वारा महोत्सव के आयोजन को लेकर की गई व्यवस्थाओं की सराहना की। उन्होंने किसी भी महोत्सव के आयोजन किये जाने के उद्देश्य पर चर्चा करते हुए कहा कि किसी भी जगह विशेष की महिमा, गरिमा एवं महत्ता को स्मरण करते हुए इसे आगे बढ़ाने के लिए ही महोत्सव का आयोजन किया जाता है।

उन्होंने कहा कि राजगीर की धरती भी ऐतिहासिक महत्व की है। इसीलिए यहां अनेक महापुरुषों का आगमन हुआ था। इनमें कई धर्मों के प्रवर्तक भी रहे। यह भगवान महावीर, भगवान गौतम बुद्ध, गुरुनानक देव जी महाराज, मखदूम साहब आदि की कर्म भूमि रही है। मान्यता के अनुसार मलमास में 33 कोटि हिन्दू देवी देवताओं का राजगीर में ही वास होता है। इस प्रकार राजगीर की ऐतिहासिक धरती सर्वधर्म समभाव की धरती है जो सभी लोगों को आपस में प्रेम एवं भाईचारा का संदेश देती है। उन्होंने कहा कि महोत्सव के माध्यम से शांति एवं प्रेम के संदेश को आत्मसात करने का प्रयास होना चाहिए। इसके लिए हम सब को संकल्प लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि बिहार प्रदेश सीमित संसाधनों का प्रदेश है। अपने संसाधनों के बलबूते बिहार विकास के पथ पर तेजी से अग्रसर है। उन्होंने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की केंद्र सरकार से मांग को दुहराते हुए कहा कि इससे बिहार में विकास को और अधिक रफ्तार मिलेगी। इसके पूर्व कार्यक्रम के शुरुआत में जिलाधिकारी शशांक शुभंकर ने सभी आगत अतिथियों का स्वागत किया तथा महोत्सव के आयोजन से संबंधित विभिन्न गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। मौके पर संबोधित करते हुए ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने बिहार के विकास में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार एवं राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपने बल पर लगातार राज्य के विकास हेतु प्रयासरत है।

अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवा पहुंचा रही है जीविका दीदियां

पटना। कल तक घरों कि दहलीज को लांघने में झिझकने वाली महिलाएं आज पूरे आत्मविश्वास के साथ लोगों के स्वास्थ्य एवं पोषण को बेहतर बनाने के लिए कार्य कर रही है। आज वह ऐसे स्वास्थ्य उपकरणों को सफलता पूर्वक संचालित कर रही हैं जो कल तक उनके लिए एक सपना था। ऐसा संभव हो पाया जीविका के प्रयास से। बेगूसराय जीविका द्वारा जिले कि चयनित दीदियों को प्रशिक्षित कर उन्हें इस काबिल बना दिया कि अब वे स्वास्थ्य जांच जैसी गतिविधियों में संलग्न हैं। बेगूसराय के 194 सामुदायिक स्वास्थ्य एवं पोषण संसाधन सेवियों (सीएनआरपी) को हेल्थ किट से जीविका दीदियों और उनके बच्चों के स्वास्थ्य की जांच करने की जानकारी आवासीय प्रशिक्षण देकर उपलब्ध करायी गई है।

राजद के दिवंगत नेता देवमुनि को दी श्रद्धांजलि

पटना। राजद के वरिष्ठ नेता, जेपी सेनानी एवं बिहार राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य देवमुनि सिंह यादव का निधन हृदय गति रुक जाने से हो गया। उन्होंने बुधवार देर रात पटना के मेंदाता हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली। गुरुवार को उनके निधन की खबर सुनते ही राजनीतिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई। उनके निधन की खबर मिलते हीं राजद कार्यालय में पार्टी का झंडा झुका दिया गया। उनके पार्थिव शरीर को राजद के राज्य और जिला कार्यालय में लाया गया। पटना जिला राजद कार्यालय में बिहार के वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री तेजप्रताप यादव ने उनके पार्थिव शरीर पर पुष्पचक्र अर्पित कर उनके योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया।

किशनगंज सीट पर सीएम नीतीश की पैनी नजर : बलियावी

किशनगंज। जनता दल यूनाइटेड राष्ट्रीय महासचिव सह पूर्व राज्य सभा सांसद मौलाना गुलाम रसूल बलियावी गुरुवार को किशनगंज पहुंचे। जहां जदयू कार्यालय में जिला अध्यक्ष मुजाहिद आलम की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूर्व विधायक कोचाधामन एवं पार्टी पदाधिकारियों ने फूल माला पहनकर स्वागत किया।

इस मौके पर जदयू नेताओ और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मौलाना गुलाम रसूल बलियावी ने मुख्यमंत्री के द्वारा बिहार में किए जा रहे हैं विकास कार्य की चर्चा की। वही उन्होंने कहा कि किशनगंज सीट पर मुख्यमंत्री की पैनी नजर है। उन्होंने कहा की यहां संगठन काफी मजबूत है। साथ ही कार्यालय का निर्माण होने पर पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दिया। वही कार्यकर्ताओं के द्वारा किशनगंज सीट जदयू को

मिले सवाल पर कहा पहले नेता टिकट की मांग करते थे लेकिन किशनगंज की जनता खुद अपने चहेते नेता के लिए टिकट की मांग कर रहे हैं उन्होंने यह भी कहा मैं किशनगंज के बुद्धिजीवी वरिष्ठ नागरिक आम जनता से अपने स्तर पर जानकारी ली। सब की राय है किशनगंज सीट जदयू को मिले।

उन्होंने कहा गठबंधन का उम्मीदवार मास्टर मुजाहिद हो यह सभी के विचार है और इस मांग से वो आलाकमान को अवगत करवायेंगे। कार्यक्रम में मंच संचालन वरिष्ठ जदयू नेता पूर्व जिलाध्यक्ष प्रो. बुलंद अख्तर हाशमी ने किया।

मुख्यमंत्री के इशारे पर शिक्षा विभाग के जारी आदेशों से अपमानित हुए शिक्षक: सुशील मोदी

बीएनएम@पटना

राज्यसभा सदस्य सुशील कुमार मोदी ने कहा कि मुख्यमंत्री के इशारे पर शिक्षा विभाग लगातार ऐसे आदेश जारी कर रहा है, जिनसे स्कूली शिक्षक ही नहीं, कालेज-विश्वविद्यालय के शिक्षकों तक के लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन हो रहा है और वे अपमानित अनुभव कर रहे हैं।

मोदी ने गुरुवार को बयान जारी कर कहा कि शिक्षा विभाग के तानाशाही रवैये के विरुद्ध शिक्षक संगठनों के सामने आंदोलन करने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा है। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने जिन्हें शिक्षा विभाग का अपर मुख्य सचिव (एसीएस) बनाया है, वे किसी भी विभाग में एक साल से अधिक नहीं टिके। उनके इस विभाग से भी जाने का समय आ गया है। उन्होंने शिक्षा मंत्री का ऐसा

अपमान किया कि वे 26 दिन तक कार्यालय नहीं गए।

सुशील मोदी ने कहा कि शिक्षा विभाग के अफसरों का मन इतना बढ़ गया है कि अब वे विश्वविद्यालय शिक्षकों के संगठन ₹फूटा₹ के महासचिव और शिक्षक-सह-विधान परिषद सदस्य संजय कुमार सिंह के बयान देने पर उनका वेतन रोकने का आदेश जारी कर रहे हैं। ऐसे आदेश बिना नीतीश कुमार की सहमति के जारी नहीं हो सकते। मोदी ने कहा कि सरकार के पास शिक्षकों को वेतन देने के लिए पैसे नहीं हैं, इसलिए नित नए आदेश जारी कर शिक्षकों को परेशान किया जा रहा है, ताकि वे खुद ही नौकरी छोड़ दें।

उन्होंने कहा कि शिक्षकों को सामूहिक नियुक्ति पत्र देकर सरकार ने केवल अपनी ब्रांडिंग का मकसद पूरा किया, उसे शिक्षकों की कोई चिंता नहीं। शिक्षा विभाग अपनी सीमा का अतिक्रमण कर विश्वविद्यालय शिक्षकों से स्कूल टीचर की तरह काम लेना चाहता है इसलिए प्रतिदिन पांच क्लास न लेने पर वेतन और पेंशन रोकने का आदेश दिया गया है। विश्वविद्यालय शिक्षकों के संगठन ₹फूटा₹ ने ऐसे आदेश वापस न लेने पर आंदोलन की बात कही है।

सहयोग | **मैंने काफी कम समय में अपने राज्य को बहुत कुछ दिया : हुसैन**

सबका विकास के सूत्र पर चलती है भाजपा: शाहनवाज

बीएनएम@भागलपुर

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता साह पूर्व उद्योग मंत्री बिहार सैयद शाहनवाज हुसैन ने गुरुवार को भागलपुर में एक प्रेस वार्ता कहा कि भाजपा के लोग जिस विभाग में रहे हैं उसमें काफी काम हुआ है। जब मैं बिहार का उद्योग मंत्री बना तो मैंने कई कार्य किए। मैंने काफी कम समय में अपने राज्य को बहुत कुछ दिया। सिपेट और रेशम को लेकर कॉलेज बनाने की बात हो जैसे कई कार्यो को हमने किया।

उन्होंने कहा कि यदि शिक्षा विभाग भाजपा के पास होता तो यह राज्य इसमें एक नंबर पर रहता। उन्होंने कहा कि 2025 में शिक्षा मंत्री भाजपा के ही कोई अच्छे नेता होंगे। आरक्षण को लेकर उन्होंने कहा कि जाति आरक्षण वाले विषय पर महागठबंधन अपने मुंह मियां मिट्ठू बन रहे हैं। जबकि भाजपा ने कभी भी इसपर

हस्तक्षेप नहीं किया है। जहां तक महागठबंधन नेताओं के ही कई सवाल आया करते थे।

शाहनवाज हुसैन ने कहा कि भागलपुर के साथ में अंतिम सांस तक हूं और रहूंगा। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में अनुसूचित जाति, जनजाति और अत्यंत पिछड़ी जाति की सबसे ज्यादा विधायक और सांसद हैं। भाजपा सबका साथ, सबका विश्वास और सबका विकास के सूत्र पर आगे बढ़ रही है। यही इसका मूल मंत्र है। उन्होंने कहा कि अति पिछड़ा जाति के लिए भाजपा काफी आगे रहती है। भाजपा लालच देकर किसी को पार्टी में शामिल नहीं करती। बिना केंद्रीय समिति के सहमति के कोई कार्य नहीं होता है।

2025 में शिक्षा मंत्री भाजपा के ही कोई अच्छे नेता होंगे। आरक्षण को लेकर उन्होंने कहा कि जाति आरक्षण वाले विषय पर महागठबंधन अपने मुंह मियां मिट्ठू बन रहे हैं। जबकि भाजपा ने कभी भी इसपर हस्तक्षेप नहीं किया है। जहां तक महागठबंधन नेताओं के ही कई सवाल आया करते थे।

एकीकरण शिविर हेतु कमलेश का चयन

मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि कमलेश कुमार के इस उपलब्धि से पूरा महाविद्यालय परिवार गौरवान्वित महसूस कर रहा है

मोतिहारी। शहर के लक्ष्मी नारायण दूबे महाविद्यालय के स्नातक तृतीय वर्ष के छात्र कमलेश कुमार का चयन राष्ट्रीय सेवा योजना योजना के द्वारा बीआईटी पटना कैंपस में आगामी 2 दिसंबर से 8 दिसंबर तक आयोजित होने वाले राष्ट्रीय एकीकरण शिविर में हुआ है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कमलेश कुमार एक ईमानदार और अनुशासित एनएसएस स्वयंसेवक है। मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि कमलेश कुमार के इस उपलब्धि से पूरा महाविद्यालय परिवार गौरवान्वित महसूस कर रहा है। कमलेश कुमार को बधाई देने वालों में डॉ. सुबोध कुमार, डॉ. राजेश सिन्हा, डॉ. कुमार राकेश रंजन, डॉ. पिनाकी लाहा, डॉ.राकेश रंजन कुमार, डॉ. अरविंद कुमार, डॉ. जौआद हुसैन, डॉ. संतोष विश्नोई, डॉ. रवि रंजन सिंह, प्रधान सहायक राजीव कुमार, लेखा सहायक कामेश भूषण, सहायक भुवनेश्वर सिंह, संजीव किशोर, आशुतोष कुमार,मणिभूषण, अखिलेश कुमार आदि प्रमुख हैं।

विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरूआत

तुरकौलिया। भारत सरकार द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा का शुरूआत किया गया है। जहां तुरकौलिया प्रखण्ड के शंकरसरैया उत्तरी व दक्षिणी, तुरकौलिया पूर्वी व मध्य पंचायतों में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान केंद्र सरकार द्वारा जनहित में संचालित की सभी योजनाओं के बारे में लोगों को बताया गया। वही विभागीय पदाधिकारीयों ने अपने अपने विभाग के केंद्र सरकार की चल रहे योजनाओं की विस्तृत रूप से जानकारी भी दिया। प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना, दीनदयाल अंत्योदय योजना, उज्जवला योजना, विशवकर्मा योजना, किसान सम्मान योजना, किसान क्रेडिट कार्ड, पोषण अभियान, जनधन योजना, जीवन ज्योति बीमा योजना, सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, नैनो फर्टिलाइजर सहित अन्य योजनाओं की जानकारी दी गई। बीडीओ रमेंद्र कुमार, आरओ सुबोध कुमार, जेएसएस अरविंद कुमार ठाकुर, प्रखण्ड कृषि पदाधिकारी कमलदेव प्रसाद, शंकर सरैया उत्तरी पंचायत के मुखिया अशरफ आलम, जिप पति हेमंत किशोर वर्मा, विनोद राम आदि मौजूद थे।

5 वर्ष तक के बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं का हो रहा है टीकाकरण

मिशन इंद्रधनुष अभियान 5.0 के तहत चल रहा है जागरूकता अभियान

मोतिहारी। जिले में जन जागरूकता के साथ मिशन इन्द्रधनुष 5.0 अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत 0-5 वर्ष का कोई बच्चा टीकाकरण से छूट ना जाए इसके लिए टीकाकरण टीमें भी ग्रामीण क्षेत्रों में घूमकर गर्भवती महिलाओं सहित नवजात का टीकाकरण कर रही है।

अभियान के तहत जिले के पहाडपुर प्रखंड में टीकाकरण सेशन का उद्घाटन मुशहर टोली मटिअरवा में डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डॉ मनोज तुमराडा तथा प्रभारी डॉ अजहरुद्दीन ने किया।

टीकाकरण के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए पहाडपुर में विशाल जागृति रैली का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अजहरुद्दीन ने किया।

कार्यक्रम के दौरान डब्ल्यूएचओ के एसएमओ डॉ मनोज तुमराडा ने बच्चों को विद्यालय में टीकाकरण के महत्व को विस्तार से समझाया। मौके पर विद्यालय की छात्राओं, आशा, जीविका, एएनएम ने सैकड़ों की संख्या में भाग लिया।

02 दिसम्बर तक अभियान

डीआईओ डॉ शरतचंद्र शर्मा ने कहा कि 0 से 2 वर्ष के कुल 11190 एवम 2 से 5 वर्ष के कुल 2239 बच्चे को टीके लगाए जायेंगे। वहीं 9माह से 5 वर्ष के 2340 एवम 2 वर्ष के 1970 बच्चों को टीका लगाया जाएगा। 2547 गर्भवती महिलाओं का टीकाकरण किया जाना है। जिसके लिए 02 दिसम्बर तक के छः दिन टीकाकरण कार्य कराया जाएगा।

कई प्रकार की बीमारियों से बचाता है टीकाकरण

डब्ल्यूएचओ के नरोत्तम कुमार ने बताया कि मिशन इंद्रधनुष का उद्देश्य उन बच्चों का टीकाकरण करना है जिन्हें टीके नहीं लगे हैं। उन्होंने बताया कि डिप्थेरिया, बलगम, टेटनेस, पोलियो, तपेदिक, खसरा तथा हेपिटाइटिस-बी जैसे रोग से बच्चों को बचाने के लिए सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर टीके लगवाना जरूरी है। मौके पर डब्ल्यूएचओ के प्रखण्ड प्रतिनिधि नरोत्तम कुमार, प्रबंधक उमाशंकर प्रसाद, एलएस सविता, इमरान अहमद अल्का, राजन सिंह मौजूद थे।

मानदेय बढ़ोतरी को लेकर रोसोइयों ने किया धरना प्रदर्शन

मोतिहारी। रसोईया संघ के आवाहन पर मानदेय बढ़ोतरी को लेकर रामगढ़वा प्रखंड कार्यालय पर भरी संख्या में रोसोइयों ने विशाल धरना प्रदर्शन किया। इस औसार पर संघ के द्वारा बि आर सी कार्यालय में एक मांग पत्र सौंपा गया जिसमे इनका मानदेय प्रति माह 18 हजार रुपए करने सहित इनको स्थाई करने इत्यादि की मांग की गई है।

जिलाध्यक्ष समसून खातून,उपाध्यक्ष मो नुरुल्लाह इत्यादि के हस्ताक्षर ज्ञापन में इनकी मांगो पर सकारात्मक विचार करने की बात कही गई है। अन्यथा इनके द्वारा अनिश्चितकालीन हड़ताल एवं आंदोलन करने की चेतावनी दी गई है। इस धरना प्रदर्शन में लक्ष्मण सिंह, शिवराम, रहमी निशा,गायत्री देवी, पार्वती देवी, शेखावाटी, कांति देवी, रोजी निशा, नूर बानो, मीना देवी, नूरजहां, सरफराज, रामू निशा, सरोज देवी, जयंती देवी सहित भारी संख्या में रसोईया उपस्थित रहे। रसोइयों ने बताया कि इनका आए 1650 रुपए प्रति माह मिलता है जिसमें सब्जी की खरीदारी भी संभव नहीं है उसमें भी राशि नियमित रूप से नहीं मिलती है।

इनलोगो ने बताया कि 1 साल काम करते हैं और मात्र 10 माह का ही मानदेय मिलता है रसोइयों ने बताया कि सभी लोगों के बाल बच्चे और घर परिवार है सुबह से शाम तक इनको विद्यालय में रहना पड़ता है काम का बोझ इतना रहता है कि कोई दूसरा काम भी नहीं कर पाते हैं। इस प्रकार इनका सरकारी काम करते हुए भी अस्थाई शोषण का शिकार हो रहा है अब रसोइयों का सब्र टूट चुका है और आंदोलन की एकमात्र आसा बचा है।

सेवानिवृत्त एचएम को किया गया विदा

बीएनएम@केसरिया

राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय केसरिया की प्रभारी प्रधानाचार्य ममता मिश्रा गुरुवार को सेवानिवृत्त हो गई। उन्होंने इस विद्यालय में करीब 17 वर्षों तक अपनी सेवा दी। इनकी सेवानिवृत्त होने पर विद्यालय परिवार द्वारा विद्यालय परिसर में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षकों ने श्रीमती मिश्रा को अंगवस्त्र व अन्य समान देकर विदाई किया। इस अवसर श्रीमती मिश्रा ने कहा कि सेवानिवृत्त होन नौकरी का एक आवश्यक पड़ाव है। सेवाकाल में किये गए कार्यों को हमेशा याद रखा जाता है। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान विद्यालय के शिक्षकों, कर्मियों व क्षेत्र के प्रबुद्धजनों द्वारा किये गए सहयोग के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक कुंदन कुमार सिंह ने किया।

मौके पर माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रमंडलीय उपाध्यक्ष सीताराम यादव, नेजाम खान, सेवा सदन के सचिव विनोद पटेल, राजेन्द्र सिंह के अलावा शिक्षक राजेश कुमार, अशोक कुमार, संजीव रंजन, विनोद पासवान, अनुभूति आनंद, अलका कुमारी, संजीव कुमार पांडेय सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

परिवार नियोजन मेला का होगा आयोजन

बेतिया। जिला स्वास्थ्य समिति से एसीएमओ डॉ. रमेश चंद्र एवं डीसीएम राजेश कुमार ने पुरुष नसबंदी पखवाड़ा का उद्घाटन करते हुए गुरुवार को सारथी रथ रवाना किया। डीसीएम राजेश कुमार ने बताया कि जिले के सभी 18 प्रखंडों में सारथी रथ द्वारा रूट प्लान के अनुरूप माइकिंग करते हुए प्रचार -प्रसार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि जिले में प्रचार-प्रचार कर हमलोग बिहार स्तर पर रुपुरुष नसबंदीर का लक्ष्य हासिल करते हुए अच्छा स्थान प्राप्त करेंगे।
मौके पर जिले के अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ रमेश चंद्रा ने बताया कि 4 से 16 दिसंबर तक सभी प्रखण्ड में पुरुष नसबंदी पखवाड़ा का सेवा पखवाड़ा मनाया जाएगा।
27 नवंबर से 3 दिसम्बर तक दम्पति संपर्क सप्ताह, परिवार नियोजन मेला, समन्वय बैठक अलग-अलग प्रखंड में योजना के अनुरूप की जाएगी।

सदस्य ने लगाया अपहरण का आरोप

पताही प्रमुख समर्थित समिति का है सदस्य, बगहा के पटखौली में अफरातफरी

सागर सूरज/राजेश

मोतिहारी। पूर्वी चम्पारण जिले के पताही प्रखण्ड में प्रमुख बनने के लिए अविश्वास प्रस्ताव लगने के एक माह पूर्व से ही खेला शुरू हो गया है। तोड़ जोड़ की सियासत की कलई तब खुली जब प चंपारण के बगहा के पटखौली थाना की पुलिस को देख एक वाहन में सवार एक व्यक्ति अचानक से चिल्लाने लगा और खुद के अपहरण कर ले जाने का आरोप भी लगाने लगा। फिर क्या था अफरातफरी मच गई। पुलिस ने उक्त वाहन को रोका तो सबकी आंखे खुली की खुली रह गई।

पुलिस ने जब तफसीस की तो मालूम चला पताही के प्रखंड प्रमुख के द्वारा अपने सीट को बचाए रखने के प्रयास के क्रम में उप प्रमुख के नेतृत्व में छह पंचायत समिति सदस्यों को नेपाल यात्रा पर ले जाया जा रहा था।

हालांकि पुलिस जिला बगहा के पटखौली थाना द्वारा नेपाल ले जाए जा रहे पंचायत समितियों को उनके घर वापस भेज दिया गया। पताही के बर्तमान प्रमुख रिंकु देवी के पति रंजय पासवान द्वारा लगभग 6 पंचायत समितियों को नेपाल भेजा रहा था जिसका नेतृत्व उप प्रमुख कृष्ण कुमार सिंह द्वारा की जा रही थी।

बता दें कि किसी काम से बगहा स्टेट बैंक के पास उन लोगों की स्कॉर्पियो रूकी, तभी वहा पुलिस को देख पताही प्रखण्ड के लहसनिया गांव वार्ड नंबर- 15 निवासी पंचायत समिति सदस्य नईम शेख ने चिल्लाते हुए कहा कि बचाओ मेरा अपहरण कर लिया गया है। जिसको संज्ञान में लेते हुए पटखौली पुलिस ने सभी को थाने ले गई। पूछताछ करने के बाद नईम सेख की पत्नी शमशीदा खातून को बुलाया गया। नईम सेख की पत्नी ने भी आरोप लगाया कि मेरे पती को जबरन घर से लाया गया है।

उल्लेखनीय है कि अगले माह ही पताही में प्रमुख के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव लगाया जा रहा है। मौके से पहले अपनी तैयारी करते हुए सदस्यों के सैर सपाटे का इंतजाम वर्तमान प्रमुख के तरफ से किया गया था। परंतु वर्तमान प्रमुख के कुनवे का एक पंचायत समिति सदस्य ने अंतिम समय यू टर्न लेते हुए झूठे आरोप लगा कर पुलिस के सहारे वापस लौट आया।

पूछने पर प्रमुख पति रंजय पासवान ने कहा मेरे समर्थक समिति सदस्य नेपाल यात्रा पर जा रहे थे तभी उसमें से एक व्यक्ति को विपक्षी टीम से फोन आया और अचानक से उसने अपहरण की बात कह कर वापस लौट आया।

पटखौली थानाध्यक्ष नीतीश कुमार ने बीएनएम से बात करते हुए कहा कि मामले में प्रमुख पक्ष के लोग नेपाल घूमने जा रहे थे तभी एक व्यक्ति अपहरण का आरोप लगाने लगा। जांच में अपहरण की बात झूठ निकली तो सभी को वापस घर भेज दिया गया।

तीन दिवसीय केसरिया महोत्सव का समापन

महोत्सव के अंतिम दिन इण्डियन आइडल फेम शीर्षा रक्षित के गाने पर झूमें लोग

अमृतेश कुमार ठाकुर

बीएनएम@केसरिया। तीन दिवसीय केसरिया महोत्सव का अंतिम दिन सांस्कृतिक कार्यक्रम के नाम रहा। जहाँ कलाकारों की प्रस्तुति पर पूरा जनसमूह नाचने को मजबूर हो गया। गायिका अनुप्रिया के हम त नैहर के रसीली लोगवा पागल कहेला ना..... व मेरे रश्क ए कमर तेरी पहली नजर की प्रस्तुति पर लोग झूम उठे। वहीं कुमार बादल ने खामोश लब है झुकी है पलके..की शानदार गजल से लोगों को जमकर झुमाया।

कई दिग्गज कलाकारों के साथ मंच साझा कर चुके सुप्रसिद्ध सूफी गायक अभिनव आकर्ष के आया तेरे दर पर दीवाना व तू माने या ना माने दिलदारा..... व मेरा पिया घर आया आदि गीत पर दर्शक दीर्घा तालियों से गूंज उठा। वहीं भोजपुरी गायक विनोद बेदर्दी ने भी इस मंच से कई गीत की प्रस्तुति दी। इससे पहले अंतिम दिन के सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक शालिनी मिश्रा, विधायक मनोज यादव व पूर्व विधायक मंजीत सिंह आदि ने दीप प्रज्वलित कर किया।

मुंबई के कलाकारों की प्रस्तुति पर झूमें लोग

वॉइस ऑफ इंडिया सहित कई रियालिटी शो में उम्दा प्रदर्शन कर चुके राकेश राज शानू ने इस तरह आशिकी का असर छोड़ जायूँगा, तेरे चेहरे पर अपनी नजर छोड़ जायूँगा गीत से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं इण्डियल आइडल फेम शीर्षा रक्षित एवं टीम द्वारा शानदार प्रस्तुति दी गई। शीर्षा ने किन्ना सोड़ा तैनू रब ने बनाया, डफली वाले डफली बजा आदि गीत गाये। जिस पर पूरा दर्शक दीर्घा नाचने लगा। इससे पहले इंडिया गॉट टैलेंट में प्रदर्शन कर चुकी कोलकाता की टीम ने गणेश वंदना गणपति बप्पा मोरया व देशभक्ति गीत पर समूह नृत्य व प्रस्तुत कर माहौल बना दिया।

चिकित्सा शिविर आयोजित

महोत्सव के अंतिम दिन गुरुवार को कैफेटेरिया परिसर में चिकित्सकों से परामर्श शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें पहुंचे लोगों को चिकित्सीय सलाह के साथ आवश्यक दवा निःशुल्क दी गई। इस शिविर में डॉ परमेश्वर ओझा, डॉ राजन कुमार सहित अन्य चिकित्सकों ने अपनी सेवा दी। इस शिविर में लायंस क्लब ऑफ चकिया के सौजन्य से भी डॉ आसिफ हुसैन व डॉ आर बी सोनी ने मरीजों की जाँच की। क्लब के अध्यक्ष ओपी कुमार ने बताया कि जिला प्रशासन के सहयोग से क्लब द्वारा इस शिविर के माध्यम से करीब सात दर्जन लोगों की इलाज की गई। साथ हीं इन लोगों को आवश्यक दवा निःशुल्क मुहैया कराई गई। मौके पर क्लब के सचिव रामपुकार पासवान, संरक्षक अनिल यादव, सत्यम वत्स, कुंवर संदीप, अभय गुप्ता, प्रकाश तिवारी आदि मौजूद थे।

परिचर्चा का आयोजन

महोत्सव के क्रम में गुरुवार को विभिन्न बीमारी, उसके लक्षण व उसके उपचार पर परिचर्चा की गई। इसमें शामिल संबंधित वरीय चिकित्सकों द्वारा अपनी राय दी गई। आईजीआईएमएस के पूर्व निदेशक डॉ अजय कुमार सिंह ने एपिलेप्सी (दिमागी बीमारी) के लक्षण व बचाव के उपाय बताए।

वहीं पूर्व चिकित्सा पदाधिकारी डॉ परमेश्वर ओझा ने मधुमेह व उच्च रक्तचाप पर अपनी व्यख्या दी। उन्होंने इस बीमारी के बचाव व इलाज को बताया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ अर्चना ने सुरक्षित गर्भपात, डॉ परवेज अनवर हड्डी रोग संबंधित तथा डॉ राहुल रंजन ने नवजात बच्चों में होने वाली बीमारी के लक्षण व उसके उपचार को बताया। साथ हीं चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई।

सीएसपी संचालक का अपहरण,15 लाख फिरौती मांगी

पुलिस एक युवक को हिरासत में लेकर कर रही है पूछताछ

बगहा। बगहा पुलिस जिला बगहा नगर के पटखौली ओपी थाना क्षेत्र में सेंट्रल बैंक आफ इंडिया के एक सीएसपी संचालक का अपहरण बुधवार की देर शाम होने का मामला प्रकाश में आया है।

मामले में पुलिस अपहृत के पिता नरवाल बरवाल पंचायत के बरवाल निवासी अवधकिशोर प्रसाद के लिखित आवेदन पर थाना में प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

समाचार के मुताबिक अपहृत बुधवार की दोपहर घर से बगहा के लिए निकला था, देर रात होने के बाद भी घर पर नहीं लौटातब सीएसपी संचालक के परिजन से उसकी खोजबीन शुरू कर दी थी। ग्रामीणों के मुताबिक राजकुमार के एक दोस्त रौशन कुमार के पास फिरौती के लिए मैसेज आ गया।

अपराधियों ने राजकुमार के मोबाइल से ही 15 लाख रुपए फिरौती की मांग की है।इस मामले में पुलिस ने बगहा पटखौली ओपी मे एफआईआर दर्ज करके एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। वहीं बगहा एसडीपीओ कुमार देवेंद्र ने बताया कि सीएसपी संचालक राजकुमार के पिता अवध किशोर प्रसाद के आवेदन पर पटखौली ओपी में एफआईआर दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि पुलिस की विशेष टीम मामले के उद्वेदन में लगी हुई है।

अपहरण का मामला सामने आने के बाद से लगातार छापेमारी चल रही है। उन्होंने कहा है कि जल्द मामले का उद्वेदन किया जाएगा। वहीं दुसरी तरफ गुरुवार की सुबह में परिजनों ने अपहृत राजकुमार के बाइक को बगहा रेलवे स्टेशन के पीछे से बरामद किया है।

बेतिया में तीन बाल श्रमिक को कराया गया मुक्त

बेतिया। बेतिया के श्रम अधीक्षक विरेन्द्र महतो ने बाल श्रमिकों की विमुक्ति हेतु मझौलिया ब्लॉक अंतर्गत श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी भीम कुमार के नेतृत्व में मझौलिया प्रखंड के विभिन्न दुकानों एवं प्रतिष्ठानों में धावा दल की टीम के द्वारा सघन जांच अभियान चलाया गया। जांच के क्रम में मझौलिया से तीन बाल श्रमिक को विमुक्त कराया गया है। जो मुस्कान ड्रेसेस, एम. के. तास एण्ड मीट हाउस, मझौलिया एवं प्रजापति मोटर साइकिल रिपेयर सेन्टर, चीनी मिल चौक, मझौलिया से एक -एक बाल श्रमिकों को विमुक्त कराया गया। विमुक्त बाल श्रमिक को बाल गृह (बाल कल्याण समिति), छावनी ,बेतिया के समक्ष उपस्थापित कर निर्देशानुसार उन्हें बाल गृह में रखा गया है। बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के तहत नियोजक के विरुद्ध संबंधित थाने में प्राथमिकी दर्ज करने की कार्रवाई की जा रही है। श्रम अधीक्षक ने बताया कि बाल श्रमिकों से किसी भी दुकान या प्रतिष्ठान में कार्य कराना बाल एवं किशोर श्रम (प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम 1986 के अंतर्गत गैरकानूनी है तथा बाल श्रमिकों से कार्य कराने वाले व्यक्तियों को 20 हजार रुपये से 50 हजार रुपये तक का जुर्माना और दो वर्षों तक के कारावास का प्रावधान है।

Editorial

Friday 01 December 2023

क्यों इतनी घुमक्कड़ी करने लगे हिन्दुस्तानी

आप देश के किसी भी हवाई अड्डे या रेलवे स्टेशन पर चले जाएं। आपको वहां पर एक जैसा नजारा ही देखने में आएगा। आने-जाने वाले मुसाफिरों की भीड़ नजर आएगी। लगता है कि सारा देश ही घूमने के मूड में है। जैसे ही दफ्तरों में दो-तीन दिन के एक साथ अवकाश आते हैं तो लोग उन छुट्टियों में कुछ और छुट्टियों को जोड़कर किसी पर्यटक स्थल के लिए निकल जाते हैं। उन्हें समुद्री तट से लेकर पहाड़ और अभयारण्यों से लेकर धार्मिक स्थल तक सबकुछ ही पसंद आ रहे हैं। एक बात और कि भारतीय सिर्फ देश के अंदर ही घूमकर संतुष्ट नहीं हैं। उन्हें देश से बाहर जाना भी अच्छा खासा रास आ रहा है। बुकिंग डॉट कॉम के एक निष्कर्ष के अनुसार, पिछले साल यानी 2022 में करीब दो करोड़ हिन्दुस्तानी देश से बाहर घुमक्कड़ी के लिए निकले। यह कोई छोटा-मोटा आंकड़ा नहीं है। भारतीय लंदन, पेरिस, दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन और दूसरे शहरों के अलावा केन्या, नाइजीरिया, तंजानिया, दुबई, सिंगापुर,वियतनाम, सिडनी मेलबोर्न, पर्थ, हॉन्गकॉन्ग वगैरह जा रहे हैं। दुबई और सिंगापुर के बाजारों में घूमते हुए तो लगता है कि आप किसी भारतीय शहर में ही हैं। वहां पर हजारों भारतीय रोज पहुंच रहे हैं। दरअसल आर्थिक उदारीकरण के बाद हिन्दुस्तानियों की आर्थिक स्थिति सुधरी तो उन्होंने भी मन ही मन दुनिया को देखने का फैसला भी कर लिया। अब हिन्दुस्तानी कमाए हुए पैसे को गांठ में बांधने भर के लिए राजी नहीं है। उन्हें तो घूमना है। याद नहीं आता कि अब से पहले कब हिन्दुस्तानी आजकल की तरह से घूमने के लिए घर से निकले थे। बेशक, दुनिया को जानने के लिए यायावरी जरुरी है। आप अगर घूमेंगे ही नहीं तो दुनिया को जानेंगे-समझेंगे कैसे। घुमक्कड़ी की चर्चा होगी तो राहुल सांकृत्यायन जी का नाम तुरंत जेहन में आएगा। वे सदैव घुमक्कड़ ही रहे। उनकी सन् 1923 से विदेश यात्राओं का सिलसिला शुरु हुआ तो फिर इसका अंत उनके जीवन के साथ ही हुआ। ज्ञानार्जन के उद्देश्य से प्रेरित उनकी यात्राओं में श्रीलंका, तिब्बत, जापान और रुस की यात्राएं विशेष हैं।

क्या निमोनिया भी चीन की देन है

डॉ. रमेश ठाकुर

जानलेवा 'निमोनिया' ने दस्तक दे दी है। कई जगहों पर तो कहर बरपा रहा है। लोग खौफजदा इसलिए हैं क्योंकि बात बच्चों के स्वास्थ्य की है। वैसे, अभी तक अधिकांश एशियाई देश ही इस बीमारी की चपेट में है। संभावित खतरों को देखते हुए सभी देश मेडिकल अलर्ट पर हैं क्योंकि निमोनिया का केंद्र चीन में है। कोविड का केंद्र भी चीन ही था। निमोनिया फैलने की खबर के बाद दुनिया में आवाज उठने लगी है कि क्यों चीन मानव स्वास्थ्य का दुश्मन बना हुआ है? सच्चाई चीन ही जानता है। पर, कोविड-19 को फैलाने का ठप्पा तो उसके माथे पर चस्पा है। अब नई आफत निमोनिया ने खड़ी कर दी। निमोनिया को लेकर भी चीन दुनिया के निशाने पर है। चीन में रहस्यमय निमोनिया की चपेट में ज्यादातर बच्चे ही आ रहे हैं। लाखों स्कूली इससे प्रभावित हैं। विगत कुछ दिनों से वहां के तमाम अस्पताल निमोनिया पीड़ित बच्चों से खचाखच भरे हैं। फिलहाल, चीन इस बीमारी को अज्ञात बता रहा है। चिकित्सा विज्ञान ने इसका नामकरण 'एवियन इन्फ्लुएंजा' से किया है। वायरस भी बता रहे हैं। वायरस को 'एच9-एन2' नाम दिया है। लेकिन पूर्ववर्ती सच्चाइयों पर गौर करें तो इससे पहले भी आई फ्लू, स्वाइन फ्लू, कोरोना और अब ये 'एवियन इन्फ्लुएंजा' सभी चीन ने ही दुनिया को बिन मांगे दिए हैं। डब्ल्यूएचओ ने हमेशा की तरह सावधानी बरतने को कहा है। चीन का वुहान चिकित्सीय प्रयोगशाला मेडिकल रिसर्च के लिए पहेली बना हुआ। क्योंकि वहां के निर्मित वायरस और जैविक अनुसंधान, अजन्मी बीमारियां, घातक वायरस और उनके सब-वेरिएंट संसार पर कहर ढा रहे हैं। ताज्जुब इस बात का है कि सबकुछ जानते हुए भी ग्लोबल स्तर के तमाम तथाकथित वैश्विक स्वास्थ्य संगठन न तो चीन को जवाबदेह ठहरा रहे हैं और न ही कोई कार्यवाही करने का मन बनाते हैं। चिकित्सा विज्ञान को तय करना है कि वास्तव में निमोनिया के पीछे चीन की हिमाकत है या नहीं। इस पर अभी कुछ कहा भी नहीं जा सकता लेकिन संदेह की कई वजहें हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक टीम इसकी खोज में है। शुरुआती जांच पड़ताल में कुछ ऐसे इनपुट उन्हें मिले हैं जिससे संदेह है कि ये स्वनिर्मित वायरस हो सकता है। प्रमाणित होने के लिए अंतिम रिपोर्ट का इंतजार है। फाइनल रिपोर्ट से पहले ही डब्ल्यूएचओ ने चीन को लताड़ते हुए कुछ सवाल-जवाब जरुर किए हैं, जिस पर चीन ने सफाई देकर पल्ला झाड़ लिया है। शक-संदेह के जो बादल चीन पर मंडरा गए हैं, उनसे जल्द छुटकारा पाना संभव नहीं होगा। हर मर्तबा ये सवाल उठता कि ज्यादातर जानलेवा अजन्मी बीमारियां और वायरस चीन में ही जन्म लेते हैं। कोविड के वक्त भी ये बड़ा सवाल खड़ा हुआ था जिसका माकूल जवाब आज तक नहीं मिल पाया। बहरहाल, चाइना में फैले रहस्यमय निमोनिया ने न सिर्फ एशिया को, बल्कि समूचे संसार को भयभीत कर रखा है। हालांकि, अभी छुटपुट ही केस सामने आए हैं। दरअसल, संसार कोविड के बाद से भयभीत है, वो महामारी भी चीन से फैली थी, उसके फैलने का अंदाज भी कमोबेश कुछ ऐसा ही था। कोरोना के पहले एकाध केस सामने आए थे, फिर उसने जो विकराल और रौद्र रुप धारण किया, उसे याद कर आज भी रोंगटे खड़े हो जाते हैं। इसी कारण लोग निमोनिया से डरे हुए हैं। लोग सोचते हैं कि कहीं निमोनिया भी कोविड जैसा मंजर न पैदा कर दे। चीनी निमोनिया को देखते हुए भारतीय हेल्थ विभाग पूरी तरह चौकन्ना है। दिल्ली से स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों को अलर्ट पर रहने के आदेश दिए हैं।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Today's Opinion

एड्स को लेकर जागरूकता बढ़ाने के हों गंभीर प्रयास

योगेश कुमार गोयल

'एड्स' न केवल भारत में बल्कि समस्त विश्व में लोगों के लिए आज भी एक भयावह शब्द है, जिसे सुनते ही भय के मारे पसीना छूटने लगता है। एड्स (एक्वायर्ड इम्यूनो डेफिशिएंसी सिन्ड्रोम) का अर्थ है शरीर में रोगों से लड़ने की क्षमता कम होने से अप्राकृतिक रोगों के अनेक लक्षण प्रकट होना। एचआईवी संक्रमण के बाद एक ऐसी स्थिति बन जाती है कि इससे संक्रमित व्यक्ति की मामूली से मामूली बीमारियों का इलाज भी दूभर हो जाता है और रोगी मृत्यु की ओर खिंचा चला जाता है। आज भी यह खतरनाक बीमारी दुनियाभर के करोड़ों लोगों के शरीर में पल रही है। एड्स महामारी के कारण अफ्रीका के तो कई गांव के गांव नष्ट हो चुके हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक 1980 के दशक में एड्स महामारी शुरु होने के बाद से 77 मिलियन से भी अधिक लोगों में इसका वायरस फैल चुका है। वर्ष 2017 में विश्वभर में करीब 40 मिलियन लोग एचआईवी संक्रमित थे। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर 2022 के अंत तक 3.9 करोड़ से भी ज्यादा लोग एचआईवी के साथ जी रहे थे। एड्स को लेकर जागरुकता बढ़ाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 1 दिसंबर को एक विशेष थीम के साथ 'विश्व एड्स दिवस' मनाया जाता है, जो इस वर्ष 'लैट कम्युनिटी लीड' विषय के साथ मनाया जा रहा है। वैसे एड्स के इतिहास पर नजर डालें तो 1981 में न्यूयार्क तथा कैलिफोर्निया में न्यूमोसिस्टिस न्यूमोनिया, कपोसी सार्कोमा तथा चमड़ी रोग जैसी असाधारण बीमारी का इलाज करा रहे पांच समलैंगिक युवकों में एड्स के लक्षण पहली बार मिले थे। चूंकि जिन मरीजों में एड्स के लक्षण देखे गए थे, वे सभी समलैंगिक थे, इसलिए उस समय इस बीमारी को समलैंगिकों की ही कोई गंभीर बीमारी मानकर इसे 'गे रिलेटेड इम्यून डेफिशिएंसी' (ग्रिड) नाम दिया गया था। इन मरीजों की शारीरिक प्रतिरोधक क्षमता असाधारण रुप से कम होती जा रही थी लेकिन कुछ समय पश्चात् जब दक्षिण अफ्रीका की कुछ महिलाओं और बच्चों में भी इस बीमारी के लक्षण देखे जाने लगे, तब जाकर यह धारणा समाप्त हुई कि यह बीमारी समलैंगिकों की ही बीमारी है। तब गहन अध्ययन के बाद पता चला कि यह बीमारी एक सूक्ष्म विषाणु के जरिये होती है, जो रक्त एवं यौन संबंधों के जरिये एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति तक पहुंचती है। तत्पश्चात् इस बीमारी को एड्स नाम दिया गया, जो एचआईवी नामक वायरस द्वारा फैलती है। यह वायरस मानव शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली पर हमला करके मानव रक्त में पाई जाने वाली श्वेत रक्त कणिकाओं को नष्ट करता है और धीरे-धीरे ऐसे व्यक्ति के शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता पूरी तरह नष्ट हो जाती है। यही स्थिति 'एड्स' कहलाती है। अगर एड्स के कारणों पर नजर डालें तो मानव शरीर में एचआईवी का वायरस फैलने का मुख्य कारण हालांकि असुरक्षित सेक्स तथा अधिक पार्टनरों के साथ शारीरिक संबंध बनाना ही है लेकिन कई बार कुछ अन्य कारण भी एचआईवी संक्रमण के लिए जिम्मेदार होते हैं। शारीरिक संबंधों द्वारा 70-80 फीसदी, संक्रमित इंजेक्शन या सुईयों द्वारा 5-10 फीसदी, संक्रमित रक्त उत्पादों के आदान-प्रदान की प्रक्रिया के जरिये 3-5 फीसदी तथा गर्भवती मां के जरिये बच्चे को 5-10 फीसदी तक एचआईवी संक्रमण की संभावना रहती है। डब्ल्यूएचओ तथा भारत सरकार के सतत प्रयासों के चलते हालांकि एचआईवी संक्रमण तथा एड्स के संबंध में जागरुकता बढ़ाने के अभियानों का कुछ असर दिखा है और संक्रमण दर घटी है। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में 2010 से अभी तक एचआईवी संक्रमण की दर में करीब 42 फीसदी की कमी आई है। फिर भी भारत में एड्स के प्रसार के कारणों में आज भी सरकारी व गैर सरकारी स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी जागरुकता एवं जिम्मेदारी का अभाव, अशिक्षा, निर्धनता, अज्ञानता और बेरोजगारी प्रमुख कारण हैं। अधिकांशतः लोग एड्स के लक्षण उभरने पर भी बदनामी के डर से न केवल एच.आई.वी. परीक्षण कराने से कतराते हैं बल्कि एचआईवी संक्रमित किसी व्यक्ति की पहचान होने पर उससे होने वाला व्यवहार तो बहुत चिंतनीय एवं निंदनीय होता है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796, प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

बहुत ज्यादा खांसी आने से हैं परेशान, तो इनसे मिलेगा आराम

मौसम में बदलाव, फ्लू आदि के कारण खांसी आने लगती है। वहीं कई बार खांसी कई दिनों तक आती रहती है और सिरप या दवाई असर नहीं करती। बहुत ज्यादा खांसी आने से आप न तो कोई काम ठीक से कर पाते हैं और न ही सो पाते हैं।

अगर आपको गीली खांसी की शिकायत होती है तो बलगम बनता है, जिससे फेफड़ों को साफ करने के लिए बलगम या कफ बनता है लेकिन सूखी खांसी में बलगम नहीं बनता।

आमतौर पर सूखी खांसी फ्लू या सर्दी के बाद कई दिनों तक रहती है। इस मौसम में सूखी खांसी कई लोगों को परेशान करती है। खांसी के कारण कई बार को पूरी पूरी रात नींद नहीं आती।

ऐसे में अगर आपको भी सूखी खांसी आ रही है और दवाएं असर नहीं कर रहीं तो कुछ घरेलू उपायों को अपनाकर आप सूखी खांसी से छुटकारा पा सकते हैं।

सूखी खांसी से राहत के लिए घरेलू उपाय

अदरक और नमक

बहुत ज्यादा खांसी से परेशान हों तो अदरक के छोटे से टुकड़े में एक चुटकी नमक छिड़क कर अपने दांतों के नीचे दबा लीजिए। इससे अदरक का रस धीरे धीरे आपके गले तक पहुंचता है। अदरक के टुकड़े का रस 5-8 मिनट तक लेते रहें।

काली मिर्च और शहद

शहद और काली मिर्च को मिलाकर सेवन करने से भी खांसी से छुटकारा मिल सकता है। इसके लिए 4-5 काली मिर्च को पीसकर पाउडर बना लें। काली मिर्च पाउडर में शहद मिलाकर चटनी की तरह सेवन करें।

अदरक और शहद

अदरक और शहद दोनों ही सूखी खांसी से राहत पहुंचा सकते हैं। शहद और अदरक में मुलेठी मिलाकर सेवन करें। यह तीनों इम्यूनिटी बढ़ाने में फायदेमंद होती है। एक चम्मच शहद में अदरक के रस का सेवन करें। गले को सूखने से बचाने के लिए मुलेठी की छोटी सी डंडी को मुंह में रख लें। यह गले की खराश को दूर करती है।

गर्म पानी में शहद

खांसी से आराम पाने के लिए आधे गिलास

हल्के गर्म पानी में शहद मिलाकर पीएं। रोजाना शहद के सेवन से सूखी खांसी से राहत मिलती है। रात में शहद मिलाकर गुनगुना पानी पीने से खराश दूर होती है।

कॉफी पीने के स्वास्थ्य लाभ हैं कई, गंभीर रोगों के जोखिम को करती है कम

कॉफी ताजगी और ऊर्जा के स्तर को बढ़ाने वाला पेय पदार्थ होता है। कई लोगों की नींद बिना कॉफी के खुलती ही नहीं। हालांकि कई रिपोर्ट्स में कॉफी के अधिक सेवन को नुकसानदायक बताया गया है।

कॉफी में कैफीन नाम का मुख्य घटक पाया जाता है, जिस के अधिक सेवन से गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। लेकिन अगर सही मात्रा में कॉफी का सेवन किया जाए तो शरीर के लिए काफी फायदेमंद हो सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, कॉफी कई तरह की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

कॉफी पर हुए कुछ अध्ययनों के मुताबिक, कॉफी का सेवन अगर सही मात्रा में किया जाए तो गंभीर रोगों में लाभ मिल सकता है। कॉफी के उच्च स्तर के एंटीऑक्सीडेंट और पोषक तत्व सेहत के लिए फायदेमंद हो सकते हैं। कई तरह की गंभीर बीमारियों का खतरा भी कॉफी पीने से कम हो सकता है।

चलिए जानते हैं सही मात्रा में कॉफी के सेवन से होने वाला स्वास्थ्य लाभ।

कॉफी मधुमेह रोगियों के लिए फायदेमंद

साल 2014 स्टडी के मुताबिक, कॉफी का सेवन लोगों में टाइप-2 मधुमेह के खतरे को कम करता है। शोधकर्ताओं ने 48,000 से अधिक लोगों के डेटा अध्ययन में पाया कि जिन लोगों ने चार सालों में रोजाना कम से कम एक बार कॉफी का सेवन किया है, उनमें मधुमेह का खतरा 11 फीसदी तक कम हुआ है। लेकिन डायबिटीज रोगियों को डॉक्टर की सलाह से ही कॉफी का सेवन करना चाहिए।

कॉफी से लिवर कैंसर का जोखिम होता है कम

2019 में हुए एक अध्ययन के निष्कर्ष में कहा गया कि कॉफी के सेवन से लिवर कैंसर का खतरा कम हो सकता है। इसके पहले साल 2015 में अमेरिका में भी शोधकर्ताओं ने पाया था कि रोजाना दो से तीन कप कॉफी का सेवन करने से प्रतिभागियों में हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा और क्रोनिक लिवर रोग होने का जोखिम करीब 38 फीसदी तक कम हो सकता है।

कॉफी ब्लड प्रेशर को करती है नियंत्रित

कॉफी में पाया जाने वाला कैफीन का सही मात्रा में सेवन फायदेमंद भी होता है। कैफीन के सेवन से रक्तचाप और हृदय स्वास्थ्य को लाभ मिलता है।

साल 2018 में हुए एक अध्ययन के मुताबिक, प्रतिदिन तीन से पांच कप कॉफी पीने से हृदय रोग का जोखिम 15 फीसदी तक कम हो सकता है। शोधकर्ताओं ने कहा कि रोजाना एक से चार कप कॉफी पीने से दिल की बिमारी के कारण होने वाली मृत्यु दर में भी कमी आती है।

कॉफी चर्बी कम करने में मददगार

कैफीन से शरीर की चर्बी कम होती है। इन दिनों फैट बर्निंग सप्लीमेंट्स में कैफीन पाया जाता है। कैफीन मेटाबॉलिज्म की दर को 3-11% तक बढ़ा सकता है। मोटे व्यक्तियों के फैट को कम करने में कॉफी असरदार है।

धमनियों में रुकावट होने पर दिखते हैं ये लक्षण, न करें नजरअंदाज

धमनियों में रुकावट की समस्या को मेडिकल भाषा में एथेरोस्क्लेरोसिस कहते हैं। यह स्थिति तब पैदा होती है, जब हमारी धमनियों में प्लाक का निर्माण होने लगता है। इसके कारण हमारा दिल द्वारा शरीर के बाकी हिस्सों ऑक्सीजन रिच रक्त और पोषक तत्वों को ले जानी वाली रक्त वाहिकाएं (धमनियां) संकुचित, मोटी और कठोर हो जाती हैं। इससे शरीर में ब्लड फ्लो या सर्कुलेशन भी कम हो जाता है। प्लाक फैट, कोलेस्ट्रॉल और अन्य पदार्थों के बना एक चिपचिपा पदार्थ होता है, जो धमनियों के संकुचन और रक्त प्रवाह में बाधा बनता है। इसके कारण कई बार पट्टिका फट भी सकती है, जिससे लोगों को त्वचा में रक्त के थक्के जैसी समस्याएं भी देखने को मिल सकती है।

लेकिन अच्छी बात यह है कि इसे धमनियों में ब्लॉकेज के लक्षणों को पहचानकर आप समय रहते हैं, इसका उपचार प्राप्त कर सकते हैं और गंभीर नुकसान से बच सकते हैं। नेशनल हार्ट, लंग एंड ब्लड इंस्टीट्यूट के अनुसार एथेरोस्क्लेरोसिस की शुरुआत होने पर शरीर में इसके कई संकेत और लक्षण देखने को मिलते हैं, जिनके आधार पर आप इसके निदान के लिए डॉक्टर से परामर्श कर सकते हैं। हम आपको इसके लक्षण बता रहे हैं।

एथेरोस्क्लेरोसिस या धमनियों में रुकावट के लक्षण-

1. कोरोनरी हृदय रोग के लक्षण

इस स्थिति में व्यक्ति को सीने में दर्द, बहुत ठंड लगना, दिल की धड़कन तेज होना, मतली, कमजोरी और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है। जो कि कोरोनरी हृदय रोग के लक्षण हैं

2. चलने फिरने पर दर्द

सीढ़ियां चढ़ने उतरने पर भी दर्द, पैरों में दर्द, भारीपन और ऐंठन आदि जैसी समस्याएं भी देखने को मिल सकती हैं। जो आमतौर पर थोड़ा आराम करने पर ठीक हो जीती हैं।

3. मस्तिष्क संबंधी समस्याएं

धमनियों में रुकावट की वजह से मस्तिष्क तक ऑक्सिजन रिच ब्लड और पोषण की आपूर्ति नहीं हो पाती है, जिसकी वजह से व्यक्ति को सोचने और याद करने में परेशानी, कमजोरी और सुन्न पन महसूस होना, साथ ही आंखों की रोशनी कमजोर होने जैसी समस्याएं भी देखने को मिल सकती हैं।

4. वजन कम होना

बहुत से लोगों को भोजन के बाद तेज दर्द, दस्त और वजन कम होने जैसी समस्याएं भी देखने को मिल सकती हैं। ये सभी गट मेसेन्टेरिक आर्टरी इस्किमिया के लक्षण हो सकते हैं।

5. इरेक्टाइल डिसफंक्शन

धमनियों में रुकावट या ब्लॉकेज होने पर यह

स्थिति भी देखने को मिल सकती है। हालांकि यह समस्या पुरुषों में अधिक दोखने को मिलती है। अगर आप भी अक्सर इस तरह के लश्रणों का अनुभव करते हैं, तो आपको तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए। जिससे कि समय रहते इसका उपचार लिया जा सके और गंभीर नुकसान से बचा जा सके।

पेट दर्द से लेकर माइग्रेन के दर्द तक, ये हैं हींग के कमाल

भारतीय खानों में हींग का उपयोग खूब किया जाता है। इसका स्वाद ज़रा तेज़ ज़रूर होता है, लेकिन इसके फायदे अनगिनत हैं। खाने में इसे मिलाने से पाचन आसान होता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि हींग पाचन दुरुस्त करने के अलावा भी कई काम करता है। यह पेट में गैस से लेकर गंभीर माइग्रेन और यहां तक कि कीड़े के काटने का भी इलाज कर देता है।

बच्चों में गैस की समस्या का समाधान करता है

शिशुओं में गैस की समस्या को कम करने के लिए इससे अच्छा उपाय और कोई नहीं है। इस जांचे और परखे उपाय को सदियों से इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके लिए एक से दो चम्मच गुनगुने पानी में चुटकी भर हींग डालें और फिर बच्चे की नाभी के आसपास उंगलियों की मदद से लगाएं। इससे छोटे बच्चों में गैस की समस्या तुरंत ठीक हो जाती है।

सांस से जुड़ी तकलीफों के इलाज के लिए

हींग में एंटीवायरल और एंटीइंफेक्शन गुण होते हैं। इसलिए इसका उपयोग अस्थमा, ब्रॉन्काइटिस, सूखी खांसी और ज़ुकाम को ठीक करने के लिए किया जा सकता है। तुरंत आराम पाने के लिए आधा चमच हींग पाउडर और सोंठ में दो चम्मच शहद मिला लें। दो से तीन दिन तक इस मिक्सचर को खाएं, तो आपको सांस की तकलीफों से जल्द आराम मिल जाएगा।

दांत दर्द में तुरंत आराम

जिस दांत में दर्द है, वहां और आसपास के मसूड़ों पर चुटकी भर हींग लगा लें। दर्द में राहत पाने के लिए दिन में इस उपाय को 2 से 3 बार करें।

कान दर्द में फायदेमंद

सर्दी के मौसम में ठंड लग जाने से कान में दर्द कई बार हो जाता है। ऐसे में इयर ड्रोप्स के अलावा आप घरेलू उपचार पर कर सकते हैं। हींग में एंटीवायरल और एंटीइंफेक्शन गुण पाए जाते हैं, जो कान के दर्द में आराम देने का काम करते हैं। इसके लिए एक बर्तन में दो चम्मच नारियल के तेल में चुटकी भर हींग डालकर हल्की आंच पर गर्म कर लें। जब ये गुनगना हो तब इसकी कुछ बूंदें अपने कान में डालें। इससे आपको तुरंत राहत मिल सकती है।

सिर दर्द में आराम

सिर दर्द जब परेशान कर रहा हो, तो आप हींग आपकी मदद कर सकता है। इसके लिए

हल्की आंच पर पैन रखें और उसमें एक से दो कप पानी गर्म कर लें। अब इसमें चुटकी भर हींग डालें और 10-15 मिनट के लिए गर्म होने दें। जब पानी की मात्रा थोड़ी कम हो जाए, तो गैस को बंद कर दें।

तेज़ सिर दर्द से छुटकारा पाने के लिए दिनभर इस पानी को पिएं। इसके अलावा आप हींग में गुलाब जल मिलाकर इसका पेस्ट भी तैयार कर सकते हैं और फिर इसे माथे पर लगा सकते हैं। इससे भी आराम मिलता है।

कीड़े या सांप के काटने पर

हींग सिर्फ खाने में ही हेल्दी नहीं होती, बल्कि कीड़ों या फिर सांप के काटने का भी इलाज कर सकती है। दादी मां के निस्खों के अनुसार, हींग के पाउडर में थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को ज़खम पर लगा लें और सूखने दें। जब सूख जाए, तो निकाल दें।

चाय की लत आपको बना सकती है गंभीर बीमारी का शिकार

शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति हो जिसे चाय पीना पसंद न हो। चाय देश ही नहीं बल्कि विदेश में भी काफी पसंद किया जाने वाला पेय पदार्थ है। चाय की इसी लोकप्रियता के चलते दुनियाभर में कई प्रकार की चाय प्रचलित है। हमारा मूड रीफ्रेश करने के साथ ही चाय हमारी सेहत को कई तरह के फायदे भी पहुंचाती है। वहीं, सर्दियों के मौसम में तो लोग भारी मात्रा में इसका सेवन करना शुरू कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि चाय की लत कई बार आपके लिए हानिकारक भी साबित हो सकती है।

दरअसल, ज्यादा मात्रा में चाय पीने से आप हड्डियों की खतरनाक बीमारी का शिकार हो सकती है। स्केलेटल फ्लोरोसिस नामक यह बीमारी आपकी हड्डियों को अंदर ही अंदर खोखला बना सकती है। अगर आप भी चाय पीने के शौकीन हैं, तो आज जानेंगे इसके अधिक सेवन से होने वाली इस बीमारी के बारे में-

क़्या है स्केलेटल फ्लोरोसिस

स्केलेटल फ्लोरोसिस हड्डियों की बीमारी है, जो अंदर ही अंदर हमारी हड्डियों को खोखला कर देती है। इस बीमारी से पीड़ित व्यक्ति को गठिया यानी अर्थराइटिस जैसा दर्द महसूस होता है। ये बीमारी खासतौर पर हड्डियों में दर्द पैदा करती है। इस बीमारी के होने पर कमर दर्द,हाथ-पैरों में दर्द और जोड़ों में दर्द की शिकायत होती है।

चाय से हो सकता है स्केलेटल फ्लोरोसिस

अगर आप खाली पेट चाय पीते हैं या दिन में लगातार चाय का सेवन कर रहे हैं, तो इससे स्केलेटल फ्लोरोसिस का खतरा काफी बढ़ जाता है। दरअसल, चाय में मौजूद फ्लोराइड मिनरल हड्डियों के लिए बेहद नुकसानदायक होता है। ऐसे में शरीर के अंदर फ्लोराइड की मात्रा बढ़ने पर हड्डियों में स्केलेटल फ्लोरोसिस होने की आशंका बढ़ जाती है। साथ ही चाय शरीर को कैल्शियम सोखने से भी रोकता है, जिसकी वजह से इस बीमारी का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

स्केलेटल फ्लोरोसिस के लक्षण

पेट भारी रहना
घुटनों के आसपास सूजन
झुकने या बैठने में परेशानी
दांतों में अत्यधिक पीलापन
कंधे, हाथ और पैर के जोड़ों में दर्द
कम उम्र में बुढ़ापे का लक्षण नजर आना
हाथ-पैर का आगे या पीछे की ओर मुड़ जाना
पांव का बाहर या अंदर की ओर धनुषाकार हो जाना

दिन में कितनी चाय पीना सुरक्षित

चाय के अधिक सेवन से सिर्फ स्केलेटल फ्लोरोसिस ही नहीं, बल्कि कई अन्य समस्याएं भी हो सकती हैं। खाली पेट या ज्यादा मात्रा में चाय पीने से अल्सर, हाइपर एसिडिटी, घबराहट, मलती जैसी कई समस्याएं हो सकती हैं।

ऐसे में जरूरी है कि आप सीमित मात्रा में चाय का सेवन करें। दिन में तीन कप चाय का सेवन सेहत के लिए खतरनाक नहीं है। लेकिन अगर आप रोजाना तीन कप से ज्यादा चाय पी रहे हैं, तो यह आपके लिए घातक साबित हो सकता है।

थायराइड बढ़ने पर शरीर में हो सकती हैं ये 5 परेशानियां

गले में पाई जाने वाली थायराइड ग्रंथि सामान्य कार्य करना बंद कर देती है, तब थायराइड की समस्या आती है। थायराइड होने से शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं। थायराइड हार्मोन शरीर में डाइजेस्टिव जूस को बढ़ाने में मददगार है।

कई बार थायराइड होने पर ये बढ़ता रहता है। ऐसे में शरीर में कई तरह के बदलाव होते हैं। सही लाइफस्टाइल, संतुलित आहार और दवाइयों के सेवन से थायराइड को ठीक होने में मदद मिलती हैं। थायराइड बढ़ने पर ये 5 तरह की परेशानियां हो सकती हैं।

इनफर्टिलिटी

थायराइड की समस्या होने इनफर्टिलिटी की समस्या बढ़ सकती है। कई बार महिलाओं में थायराइड होने पर ओवरीज में सस्टि बन जाता है। जिसकी वजह से इनफर्टिलिटी की समस्या बढ़ सकती है। महिलाओं में अगर समय पर थायराइड का इलाज न किया जाएं, तो इनफर्टिलिटी की समस्या ज्यादा बढ़ सकती हैं।

स्किन डिसऑर्डर

शरीर में थायराइड की ग्रंथि बढ़ने पर स्किन डिसऑर्डर जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। कई बार थायराइड बढ़ने पर स्किन पर पिंपल्स की समस्या बढ़ सकती हैं। थायराइड रहने से स्किन पर रूखेपन की समस्या भी ज्यादा देखने को मिल सकती है।

अनियमित पीरियड्स

थायराइड बढ़ने पर कई बार अनियमित पीरियड्स की समस्या भी बढ़ सकती है। कई बार पीरियड्स का फ्लो ज्यादा या धीमा भी हो सकता हैं। इस समस्या को दूर करने के लिए थायराइड को कंट्रोल करने की कोशिश करें। पीरियड्स की डेट आगे-पीछे भी हो सकती हैं।

वजन बढ़ना

थायराइड की समस्या बढ़ने पर वजन बढ़ने की परेशानी भी हो सकती हैं। ऐसे में सही मात्रा में डाइट और दवाइयों के सेवन से थायराइड को कंट्रोल किया जा सकता है। थायराइड का स्तर बढ़ने से भूख काफी बढ़ जाती है। जिससे वजन बढ़ता है।

कमजोरी लगना

थायराइड की परेशानी बढ़ने पर शरीर में कमजोरी हो सकती है। कई बार पैरों से सुन्न हो जाने की समस्या भी देखने को मिल सकती है। कई बार थायराइड बढ़ जाने पर शरीर में दर्द और ऐंठन का अनुभव भी हो सकता है।

थायराइड की समस्या होने पर ऊपर बताई गई परेशानियां हो सकती हैं। अगर आपको भी ये बीमारी हैं, तो डॉक्टर से पूछ कर ही दवाइयों का सेवन करें।

BNM Fantasy

Friday
01 December 2023

जैस्मिन भसीन ने दिखाया अपना नया लुक

बिग बॉस फेम एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन हाल ही में तबीयत बिगड़ने की वजह से अस्पताल में भर्ती हुई थीं और बीते दिन ही उनको अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है। अस्पताल से डिस्चार्ज होने के बाद एक्ट्रेस अब एक बार फिर से सोशल मीडिया पर एक्टिव हो गई हैं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया है। उनके इस पोस्ट पर बॉयफ्रेंड अली गोनी के कमेंट ने हर किसी का ध्यान खींचा है।'टशन-ए-इश्क' और 'दिल से दिल तक' जैसे कई सीरियल्स में नजर आ चुकी एक्ट्रेस जैस्मिन भसीन अपने फैशन और टैलेंट की वजह से लोगों का दिल जीत लेती हैं। एक्ट्रेस की तबीयत खराब होने की वजह से उनके फैंस भी चिंता में थे।

अ

नन्या पांडे ने शेयर किया बचपन का वीडियो

'ड्रीम गर्ल 2' फेम एक्ट्रेस अनन्या पांडे बी-टाउन की फेमस अभिनेत्रियों में से एक हैं। वह सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के साथ अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी चीजें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपना एक बचपन का वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह एक बोतल लेकर उसका एड करते हुए दिखाई दे रही हैं। अनन्या पांडे के इस वीडियो पर उनके दोस्तों से लेकर बॉलीवुड के कई सेलेब्स ने कमेंट किया है। एक्ट्रेस का यह वीडियो देख कर उनके फैंस भी उनकी क्यूटनेस की तारीफ कर रहे हैं।अनन्या पांडे ने अपने बचपन का एक बेहद प्यारा वीडियो सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में नन्हीं अनन्या एक एड के शूट की प्रैक्टिस करते दिखाई दे रही हैं। टीवी की शेल्फ पर बैठी एक्ट्रेस अनन्या को कहते हुए सुना जा सकता है कि इस एड में आपका स्वागत है, एक एड जो एक परफ्यूम के बारे में है। यह परफ्यूम बहुत खुशबूदार है। इसकी खुशबू अच्छी है और यह कमल की खुशबू की तरह लगती है'। इस वीडियो को शेयर करते हुए अनन्या ने कैप्शन में लिखा 'A ad'। अनन्या पांडे की इस वीडियो पर कई बॉलीवुड सेलेब्स ने कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दी है। इसके साथ ही उनकी दोस्त सुहाना खान ने भी इस पर कमेंट किया और लिखा 'टीचर टीचर'। मां भावना पांडे ने कमेंट में लिखा 'सुगंधित परफ्यूम'। नीलम कोठारी ने कमेंट में लिखा 'तुम बहुत क्यूट हो'।

सुष्मिता की 'आर्या-3' का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

ये तीसरा सीजन कई और राज खोलेगा

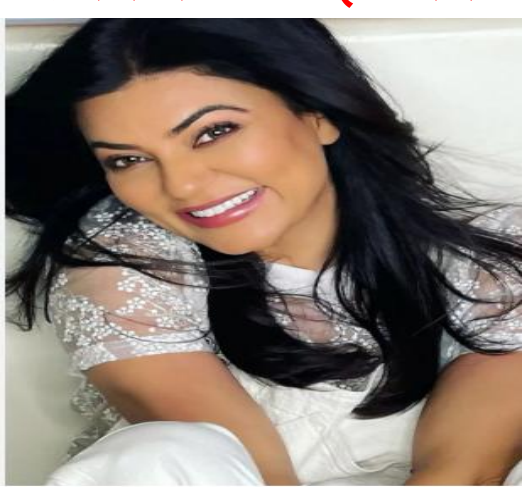

बॉलीवुड एक्ट्रेस सुष्मिता सेन की 'आर्या' वेब सीरीज काफी पॉपुलर रही थी। इस वेब सीरीज के अब तक 2 सीजन रिलीज हो चुके हैं, जिसमें सुष्मिता की दमदार परफॉर्मेंस देखने को मिली थी। इसके बाद एक बार फिर सुष्मिता तीसरे सीजन के जरिए दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए तैयार हैं। इस सीजन का टीजर 3 दिन पहले रिलीज हुआ था, अब ट्रेलर भी रिलीज हो गया है। इस वेब सीरीज में सुष्मिता आर्या नाम की माफिया क्वीन का किरदार निभा रही हैं। अपने पिता और पति के जाने के बाद, आर्या पारिवारिक व्यवसाय की बागडोर संभालती है, न चाहते हुए भी उसे अपराध की दुनिया में प्रवेश करना पड़ता है और यहीं से माफिया क्वीन बनने का उसका सफर हम पिछले दो सीज़न में देख चुके हैं। क्या टीजर देखने के बाद खत्म हो जाएगा आर्या का सफर? दर्शकों के मन में ये एक सवाल था, लेकिन अब ट्रेलर देखकर साफ है कि ये तीसरा सीजन कई और राज खोलेगा। कहानी 1000 करोड़ की ड्रग डील के इर्द-गिर्द घूमती है। तो इस नए सीजन में आर्या के सामने एक नया प्रतियोगी भी खड़ा नजर आएगा। इसके साथ ही ट्रेलर में यह भी साफ है कि इस नए सीजन में आर्या के परिवार पर संकट आ गया है जो हमेशा अपने बच्चों की रक्षा करते हैं. अब क्या आर्या इस संकट से बाहर निकलेगी और अगर गिर भी गई तो क्या उसके बच्चों की जिंदगी अच्छी होगी या बुरी या फिर उसे पुलिस पकड़ लेगी? ऐसे कई सवालों के जवाब सीरीज देखने के बाद मिलेंगे। इस तीसरे सीजन में सुष्मिता सेन "आर्या" के किरदार में हमेशा की तरह डैशिंग लग रही हैं। इसके साथ ही उम्र के साथ उनमें बदलाव भी ट्रेलर में साफ नजर आ रहा है। क्या आर्या अब अपने पंजे बाहर निकालेगी? इसका जवाब हमें 3 नवंबर को ओटीटी प्लेटफॉर्म डिज़्नी प्लस हॉटस्टार पर मिलेगा। सीरीज "आर्या" के दोनों सीजन को दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला और सुष्मिता की भी खूब तारीफ हुई। सुष्मिता हाल ही में रवि जाधव की वेब सीरीज "ताली" में नजर आई थीं और अब फैंस उन्हें दोबारा आर्या के किरदार में देखने के लिए उत्साहित हैं।